व्यवसाय योजना

केटरिंग एवं टेंट हाउस व्यवसाय

(स्वयं सहायता समूह - 20 सदस्य)

जाइका वानिकी परियोजना – आजीविका सुधार योजना के अंतर्गत

एस. एच. जी. नाम	**जलादी महादेव**
वी. एफ. डी. एस. नाम	**सराहन**
एफ. टी. यू. / रेंज	**अरसू**
डी. एम. यू./ मण्डल	**आनी**
एफ. सी. सी. यू. / सर्कल	**रामपुर**

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबन्धन एवम आजीविका सुधार परियोजना

(जे. आई. सी. ए.) वितपोषित परियोजना

विषय–सूची

क0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	परिचय	1-4
2	समान रूची समूह का विवरण व सूची	6-7
3	प्रस्तावना	8
4	उदेश्य	8
5	विश्लेषण	8
6	समूह विवरण	9
7	सेवा का दायरा	9
8	पूंजीगत लागत विश्लेषण	10-11
9	आवर्ती लागत	12
10	सम्भावित स्त्रोत	13
11	लाभ विवरण	13
12	ब्रेक ईवन विश्लेषण	13
13	कार्य विभाजन	14
14	विपणन रणनिति	14
15	पर्यावर्णीय उपाय	14
16	सम्भावित जोखिम एवम समाधान	15
17	प्रशिक्षण की आवश्यकता	15
18	निष्कर्ष	16
19	परिशिष्ट	16
20	खाता वितरण	17

21	सामूहिक चित्र	**18**
22	समूह द्वारा दिया गया अनुमोदन पत्र	**19**

परिचय

हिमाचल प्रदेश छोटी घाटियों, छोटी पहाड़ियों से लेकर शक्तिशाली पर्वत श्रृंखलाओं से युक्त है। जिनकी ऊँचाई 3000 मीटर से लेकर 6800मीटर तक है विविध आवासों की उपलब्धता के कारण यह जैव विविधता समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासतों और सुन्दर भूदृश्य शेष समृद्ध है| राज्य का क्षेत्रफल 55,673 वर्ग किलोमीटर है और 75,00,000 की आबादी है राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है कृषि अनुपालन बागवानी जलविद्युत और पर्यटन राज्यों की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्र है| राज्य में 12 जिले है और कुल जनसंख्या का 6.67% कुल्लू जिले में रहता है। यह जिला लाहौल स्पीति, किन्नौर, शिमला तथा मंडी जिले के साथ अपनी सिमाएं जोड़ता है। व्यास, पार्वती और सतलुज इस जिले की मुख्य नदियां हैं।

कुल्लू हिमाचल प्रदेश में बसा एक खूबसूरत जिला तथा पर्यटक स्थल है। बरसों से इसकी खूबसूरती और हरीयाली पर्यटकों को अपनी ओर खींचती आई है व्यास नदी के किनारे बसा यह स्थान अपने यहां मनाए जाने वाले रंग-बिरंगे दशहरा के लिए प्रसिद्ध है यहां शत्रु शताब्दी में निर्मित रघुनाथ जी का मंदिर भी है जो हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ स्थान है।

आनी निर्वाचन क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के 68 निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है कुल्लू जिले में स्थित यह निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है 2012 में इस क्षेत्र में कुल 72276 मतदाता थे। हमारे यहां वन मंडल आने के तहत तीन परिक्षेत्र आते हैं। जिनमें से दो परिक्षेत्र में JICA परितोषित परियोजना द्वारा कार्य किया जा रहा है। अरसू वन परिक्षेत्र का कार्यालय निरमंड गांव के समीप स्थित है इस परिक्षेत्र के तहत 6 ग्रामीण वन विकास समितियां बनाई गई है। जिनमे से 5 वन समितियां बैच-3 और 1 बैच-4 के अंतर्गत आती है|

- वन विकास समिति शटलधार
- वन विकास समिति रल्लू
- वन विकास समिति बडगई
- वन विकास समिति टिकरी खरगा
- वन विकास समिति सरगा
- वन विकास समिति सराहन

जिस्म अलग-अलग तरह से स्वयं सहायता समूह भी बनाए गए हैं यहां का मुख्य व्यवसाय कृषि और बागवानी है।

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र एवं प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति सराहन के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से गाँव में स्वयं सहायता समूह का गठन, "जलांदी महादेव स्वयं सहायता समूह" रूप में किया गया। इसके बाद "जलांदी महादेव स्वयं सहायता समूह" ने "केटरिंग एवम टेन्ट हाउस" के कार्य को अपनी आय सृजन गतिविधि के रूप में कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 22 सदस्य शामिल हुए।

क्रमांक	लाभार्थी का नाम व पता	पद	आयु	लिंग	सम्पर्क
1	श्याम लाल	प्रधान	35	पु०	9459988249
2	धर्म दास	उप प्रधान	48	पु०	9418129627
3	ताबे राम	सचिव	35	पु०	8219284040
4	चन्द्र प्रकाश	सलाहकार	36	पु०	9418223423
5	पदम चंद	सदस्य	34	पु०	7807573018
6	ईश्वर दास	सदस्य	53	पु०	8988064732
7	हीरा लाल	सदस्य	37	पु०	7876115742
8	निरत ब्रमता	सदस्य	45	पु०	7807916225
9	घनश्याम	सदस्य	40	पु०	8628097487
10	दीवान सिंह	सदस्य	45	पु०	9805163425
11	नीकू राम	सदस्य	55	पु०	7807621297
12	प्रतिभा देवी	सदस्य	35	स्त्री	8628803784
13	लतादेवी	सदस्य	30	स्त्री	9418816675

14	सपना देवी	सदस्य	29	स्त्री	8894401332
15	सुरमा देवी	सदस्य	32	स्त्री	
16	नेहा देवी	सदस्य	25	स्त्री	8628074641
17	राम दयाल	सदस्य	48	पु०	
18	दूत राम	सदस्य	53	पु०	
19	मीरा देवी	सदस्य	30	स्त्री	9418271019
20	सुनीता देवी	सदस्य	35	स्त्री	
21	सरला देवी	सदस्य	38	स्त्री	
22	ठाकुर दास	सदस्य	63	पु०	

प्रस्तावना

भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे जाइका वानिकी परियोजना के अंतर्गत आजीविका संवर्धन हेतु विभिन्न समूहों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को वन आधारित एवं गैर-वन आधारित आय के अवसर प्रदान करना है। इस व्यवसाय योजना का उद्देश्य 20 सदस्यों के स्वयं सहायता समूह को डीजे एवं टेंट हाउस व्यवसाय हेतु सक्षम बनाना है, जिससे वे सामूहिक रूप से आय अर्जित कर सकें।

2. उद्देश्य

- SHG सदस्यों को सामूहिक आय का अवसर प्रदान करना।
- स्थानीय स्तर पर गुणवत्ता युक्त डीजे एवं टेंट हाउस सेवा उपलब्ध कराना।
- सामाजिक कार्यक्रमों में सहभागिता बढ़ाना एवं रोजगार सृजन करना।
- JICA परियोजना के आजीविका लक्ष्य की पूर्ति करना।

3. क्षेत्रीय मांग विश्लेषण

चयनित क्षेत्र (विकास खंड निरमंड) में विवाह, धार्मिक आयोजन, सार्वजनिक समारोह, ग्राम पंचायत सभाएं, स्कूल कार्यक्रम आदि की भरपूर संख्या होती है। वर्तमान में इन आयोजनों के लिए अन्य जिलों से सेवाएं मंगानी पड़ती हैं। यदि यह सेवा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जाए, तो इसकी मांग सुनिश्चित है।

4. समूह विवरण

- समूह का नाम: जलांदी महादेव स्वयं सहायता समूह
- सदस्य संख्या: 20 सदस्य
- गठन वर्ष: 2024
- प्रशिक्षण स्थिति: ध्वनि यंत्र संचालन, सजावट एवं बुकिंग का आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त
- बैंक खाता स्थिति: सृजित एवं सक्रिय
- प्रस्तावित स्थान: बागासराहन
- विकासखंड - निरमंड

5. सेवा का दायरा

- डीजे साउंड सिस्टम सेवा
- टेंट हाउस (पंडाल, कुर्सी, मेज, कालीन, स्टेज)
- प्रकाश एवं सजावट सेवा
- जेनरेटर/बिजली आपूर्ति सेवा
- परिवहन सुविधा

पूंजीगत लागत विश्लेषण

क्रम संख्या	उपकरण / सामग्री	लागत (रु.)
1	डीजे साउंड सिस्टम (फुल सेट)	2,50,000
2	जेनरेटर (10 केवीए)	1,00,000
3	टेंट सामग्री	2,00,000
4	मेन गेट	50,000
5	प्रकाश एवं सजावट सामग्री	2,00,000
6	वैडिंग सोफा	50000
7	वी. आई. पी. चेयर्स (50)	50000
8	आर्डिनरी चेयर्स (100)	50000
9	टेबल (20)	50000

10	टेबल कवर (20)	20000
11	वेडिंग चेयर्स (10)	20000
12	आयरन पोल (40)	60000
13	मैट्स	50000
14	कनात	50000
15	पिलर हीटर और पंखा	100000
16	अन्य/बैनर/प्रचार/लाइसेंस	60000
17	2 सिलेंडर 2 चूल्हे	30000
18	बिस्तर इत्यादि	30000
19	हैमेर,रस्सी, खूंटियां और आडू	10000
	कुल पूंजीगत लागत	**14,30,000**

कुल पूंजीगत लागत	परियोजना राशि (75%)	स्वयं सहायता समुह राशि (25%)
14,30,000	**10,72,500**	**3,57,500**

7. वार्षिक आवर्ती लागत (Recurring Cost)

क्रम संख्या	खर्च का नाम	वार्षिक लागत (रु.)
1	ईंधन/वाहन मरम्मत	50,000
2	मानदेय (सहायक)	1,20,000
3	उपकरण मरम्मत	40,000
4	प्रचार-प्रसार	20,000
5	किराया	60,000
6	वाशिंग	40,000
7	अप्रत्याशित खर्च	25,000
8	आवागमन पर खर्च	60,000

कुल वार्षिक आवर्ती लागत: ₹4,05,000

8. संभावित आय स्रोत

- औसतन प्रति बुकिंग/दिन: ₹10,000
- अनुमानित बुकिंग प्रति वर्ष: 100 कार्यक्रम
- कुल संभावित वार्षिक आय: ₹10,00,000

9. लाभ एवं वितरण

- वार्षिक शुद्ध लाभ: ₹14,30,000 - ₹4,05,000 = ₹10,25,000
- प्रति सदस्य औसत वार्षिक लाभ: ₹51250
- अतिरिक्त आय के स्रोत: प्रकाशन, साउंड सिस्टम रेंट, अतिरिक्त सजावट आदि

10. ब्रेक-ईवन विश्लेषण

- कुल निवेश: ₹14,30,000
- शुद्ध वार्षिक लाभ: ₹10,25,000
- ब्रेक-ईवन अवधि: लगभग 1.39 या 1.4वर्ष

अत: 1 वर्ष 4 महीने में ब्रेक-इवन प्राप्त कर लिया जाएगा |

11. कार्य विभाजन

- उपकरण संचालन: 5 सदस्य
- ग्राहक समन्वय: 4 सदस्य
- लेखा प्रबंधन: 2 सदस्य
- सजावट प्रबंधन: 5 सदस्य
- परिवहन/डिलीवरी: 4 सदस्य

12. विपणन रणनीति

- ग्राम पंचायत, स्कूल, ब्लॉक कार्यालय आदि से समन्वय
- प्रचार हेतु बैनर, पोस्टर, सोशल मीडिया का प्रयोग
- स्थानीय त्योहारों एवं मेलों में स्टॉल लगाना

13. पर्यावरणीय उपाय

- ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण हेतु समय एवं वॉल्यूम सीमित करना
- LED लाइटिंग, सोलर लाइटिंग का उपयोग
- प्लास्टिक मुक्त सजावट का प्रयोग

14. संभावित जोखिम एवं समाधान

जोखिम	समाधान
ऋतु आधारित बुकिंग में कमी	फोटोग्राफी, केटरिंग जैसी अतिरिक्त सेवाएं जोड़ना
उपकरण क्षति	बीमा कराना
प्रतिस्पर्धा	गुणवत्ता व समयबद्ध सेवा

15. प्रशिक्षण की आवश्यकता

- ध्वनि यंत्र संचालन का प्रशिक्षण
- बुकिंग प्रबंधन व ग्राहक सेवा कार्यशाला
- लेखा प्रबंधन का मूल प्रशिक्षण

16. निष्कर्ष

यह व्यवसाय योजना 'जाइका वानिकी परियोजना' के आजीविका घटक के अनुरूप है, जो सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) से भी जुड़ती है, जैसे गरीबी उन्मूलन, समावेशी आर्थिक विकास, और ग्रामीण आजीविका का संवर्धन। इससे पर्यावरणीय प्रभाव न्यूनतम रहेगा क्योंकि सभी उपकरण विद्युत एवं ईंधन दक्ष होंगे।

समूह की सामूहिक भागीदारी, पारदर्शी लाभ वितरण प्रणाली, नियमित लेखा-जोखा एवं प्रशिक्षण आधारित कार्य संचालन इस व्यवसाय को सफलता की ओर ले जाने वाले प्रमुख घटक होंगे। स्थानीय प्रशासन, वन विभाग एवं परियोजना के सहयोग से यह एक मॉडल व्यवसाय के रूप में स्थापित हो सकता है।

अतः अनुरोध है कि इस व्यवसाय योजना को स्वीकृति प्रदान की जाए एवं पूंजीगत अनुदान के रूप में परियोजना राशि ₹1072500 लाख की राशि प्रदान की जाए, जिससे समूह की आजीविका सशक्त हो सके। यह योजना आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की ओर एक प्रभावी कदम होगी।

परिशिष्ट

- SHG सदस्य सूची

- बैंक खाता विवरण
- SHG के सभी सदस्यों का छाया चित्र
- SHG द्वारा दिया गया अनुमोदन पत्र

अनुलग्नक

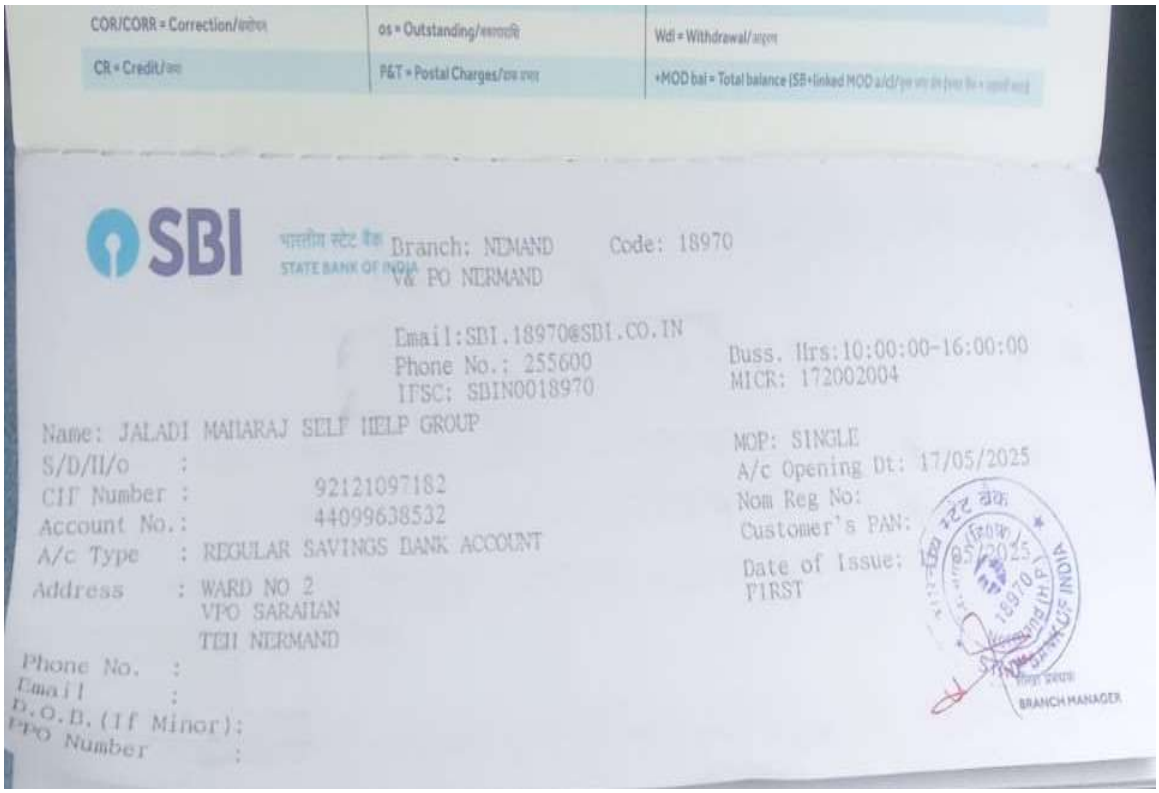

COR/CORR = Correction/
CR = Credit/
os = Outstanding/
P&T = Postal Charges/
Wdl = Withdrawal/
+MOD bal = Total balance (SB+linked MOD a/c)

SBI STATE BANK OF INDIA

Branch: NEMAND Code: 18970
V& PO NERMAND

Email:SBI.18970@SBI.CO.IN
Phone No.: 255600
IFSC: SBIN0018970

Buss. Hrs:10:00:00-16:00:00
MICR: 172002004

Name: JALADI MAHARAJ SELF HELP GROUP
S/D/H/o :
CIF Number : 92121097182
Account No.: 44099638532
A/c Type : REGULAR SAVINGS BANK ACCOUNT
Address : WARD NO 2
VPO SARAHAN
TEH NERMAND
Phone No. :
Email :
D.O.B.(If Minor):
PPO Number :

MOP: SINGLE
A/c Opening Dt: 17/05/2025
Nom Reg No:
Customer's PAN:
Date of Issue:
FIRST

BRANCH MANAGER

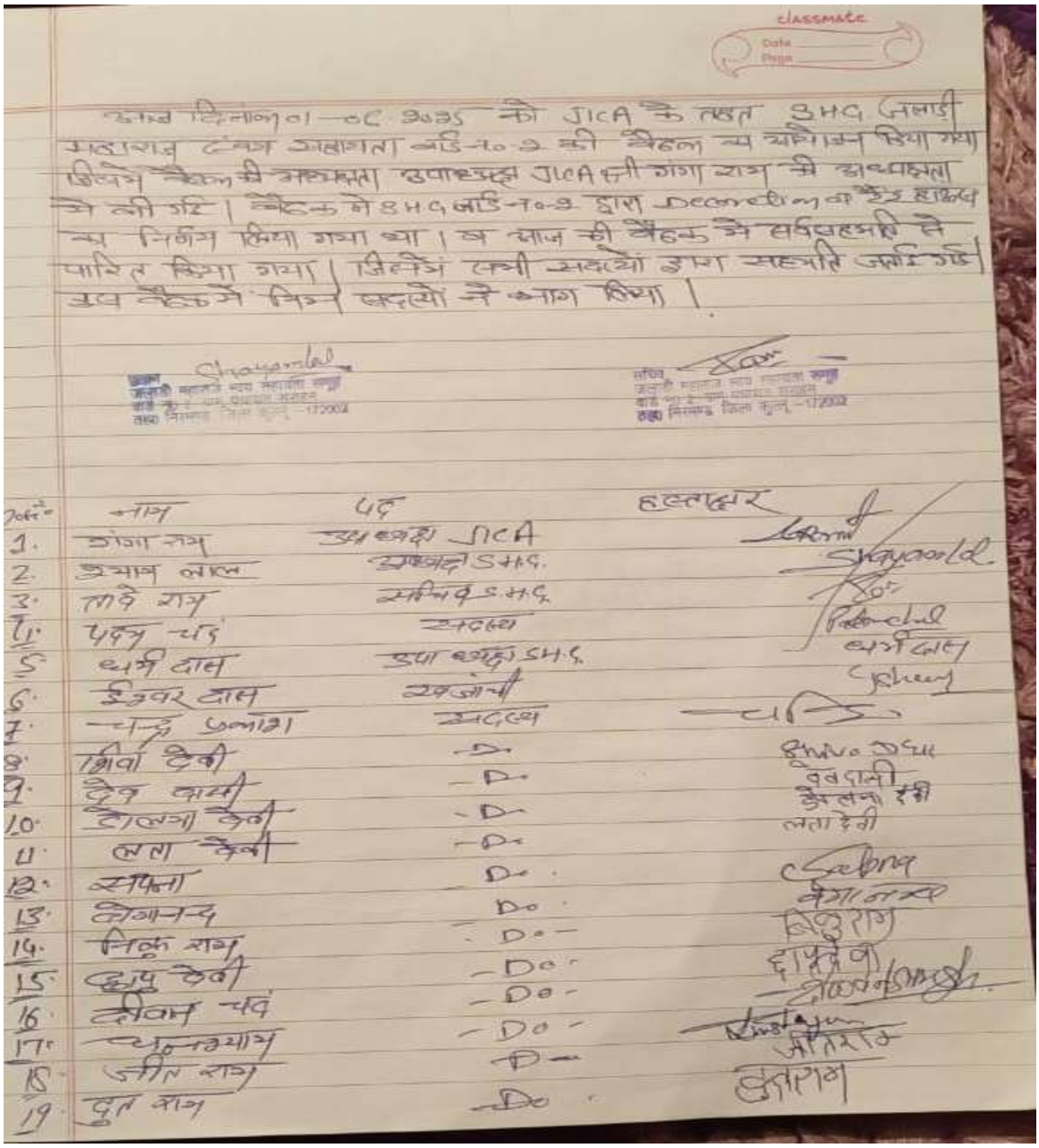

आज दिनांक 01-08-2025 को JICA के तहत SHG जलाड़ी महाराज स्वयं सहायता समूह नं. 2 की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष JICA श्री गंगा राम की अध्यक्षता में की गई। बैठक में SHG समूह नं.2 द्वारा Decoration का कार्य करने का निर्णय लिया गया था। व आज की बैठक में सर्वसहमति से पारित किया गया। जिसमें सभी सदस्यों द्वारा सहमति जताई गई। इस बैठक में निम्न सदस्यों ने भाग लिया।

Shyamlal
प्रधान
जलाड़ी महाराज स्वयं सहायता समूह
तह. निरमण्ड जिला कुल्लू -172001

[signature]
सचिव
जलाड़ी महाराज स्वयं सहायता समूह
तह. निरमण्ड जिला कुल्लू -172002

क्र.सं.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	गंगा राम	उपाध्यक्ष JICA	[signature]
2.	श्याम लाल	अध्यक्ष SHG	Shyamlal
3.	लाके राम	सचिव SHG	[signature]
4.	पदम चंद	सदस्य	Padamchand
5	धर्मी दास	उपाध्यक्ष SHG	धर्मीदास
6.	ईश्वर दास	खजांची	Ishwar
7.	चन्द्र प्रकाश	सदस्य	[signature]
8.	शिवा देवी	-Do-	Shiva देवी
9.	देव दासी	-Do-	देवदासी
10.	कौशल्या देवी	-Do-	कौशल्या देवी
11.	लता देवी	-Do-	लता देवी
12.	सपना	-Do-	Sapna
13.	देवानन्द	Do	देवानन्द
14.	निकू राम	-Do-	निकू राम
15.	दापू देवी	-Do-	दापू देवी
16.	दीवान चंद	-Do-	[signature]
17.	चमन श्याम	-Do-	[signature]
18.	जीत राम	-D-	जीतराम
19.	दूत राम	-Do	दूतराम